an>

Title: Need to regularise the services of temporary labourers engaged by FCI Depot Ghevra, Delhi.

**श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज)** ः मैं खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री जी का ध्यान भारतीय खाद्य निगम, दिल्ली के घेवड़ा डिपो में व्याप्त लापरवाही एवं मजदूरों के शोषण की ओर दिलाना चाहता हूँ। भारतीय खाद्य निगम में 1985 से कार्यरत 617 नैमित्तिक मजदूरों के नियमितीकरण के लिए 1991 में प्रबंधन और कर्मचारी यूनियन ने एक समझौता किया। समझौते के मुताबिक 1992 में सभी मजदूरों का चिकित्सा परीक्षण करवाया गया। चिकित्सा परीक्षण के उपरांत प्रबंधन ने 451 मजदूरों को नियमित कर दिया। बाकी बचे हुए मजदूरों को कहा गया कि आपको बाद में नियमित कर दिया जाएगा। बाकी बचे 166 मजदूर वहीं काम नैमित्तिक आधार पर आज तक कर रहे हैं। उन्हें प्रबंधन ने बिल्कुल ही भुला दिया जबकि सुप्रीम कोर्ट का भी निर्णय है कि समान काम का समान वेतन और सुविधा मिलना चाहिए। नियमितीकरण करने में भी वरीयता का ध्यान नहीं रखा गया। प्रबंधन ने वरीयता क्रम को ध्यान में न रखकर मजदूरों को नियमित कर दिया। मजदूरों के पूछने पर वे सही जवाब भी नहीं देते हैं।

अतः हम मंत्री जी से मांग करते हैं कि इस मामले की जांच कराकर मजदूरों को न्याय दें। बाकी बचे हुए मजदूरों को भी नियमित करने का आदेश दें ताकि इन गरीबों को न्याय मिले। इनके और इनके बच्चों का भी जीवन स्तर इस महंगाई में ऊपर उठा सके।